28 korba-BHOOMI-pg1_Layout 1 12/28/2023 11:15 PM Page 1

तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 29 दिसंबर 2023

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4

जाम से निजात दिलाने एसपी की पहल शहर के मार्गों में लगा नो पार्किंग का बोर्ड

खबर संक्षेप

जेबीसीसीआई-11 की मानकीकरण समिति का हुआ पुनर्गठन

कोरबा। कोल इंडिया ने जेबीसीसीआई- 11 की मानकीकरण समिति (स्टैंडराइजेशन कमेटी) का पुनर्गठन किया है। यह पुनर्गठन एचएमएस द्वारा नए सदस्य का नामांकन प्रस्तुत किए जाने के बाद किया गया है। मानकीकरण समिति सहित सब कमेटियों की भी सूची कोल इंडिया प्रबंधन ने जारी की है। कोल इंडिया के कार्मिक निदेशक विनय रंजन को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कोल इंडिया की सहयोगी कंपनियों के कार्मिक निदेशक को सदस्य बनाया गया है। बीएमएस से मजरूल हक अंसारी, सुधीर एच, एचएमएस से नाथूलाल पांडे, शिवकुमार यादव, एटक से रमेन्द्र कुमार और सीटू से डीडी रामानंदन शामिल है।

स्थापना दिवस रैली में शामिल हुए कांग्रेसी

कोरबा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 139वें वर्ष में प्रवेश अवसर पर गुरूवार को नागपुर में आयोजित राष्ट्रव्यापी रैली छत्तीसगढ़ नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्याम सुंदर सोनी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, प्रदेश सचिव बी एन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, संयुक्त महामंत्री रामकृष्ण साहू सहित अनेको कांग्रेस पदाधिकारी शामिल हुए।

1500 खिलाड़ी सहित 500 टीम मैनेजर कोच और मैच रेफरी आदि होंगे शामिल

करोड़ों का स्टेडियम दरकिनार, सीएसईबी फुटबाल ग्राउंड में होंगे नेशनल गेम्स

इंदिरा स्टेडियम।

फुटबाल ग्राउंड जहां होना है गेम्स।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में नए वर्ष के प्रथम महीने में होने जा रही 20वीं राष्ट्रीय बेसबाल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए करोड़ों की लागत से बने प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम को दरकिनार कर सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड को चयनित किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रतियोगिता में लगभग 1500 खिलाड़ी और 500 टीम मैनेजर, सहायक मैनेजर, कोच, रेफरी, सहायक रेफरी सहित लगभग 2000 लोग शामिल होंगे। जिनके रहने और खाने की व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है।

खास बात

- जिले में 20वीं राष्ट्रीय बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 28 जनवरी से 1 फरवरी तक

जिले के प्रतिभागी नहीं होंगे शामिल

राष्ट्रीय बेसबाल प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान प्रमुख बात यह सामने आई है कि इस प्रतियोगिता में जिले के बेसबॉल के खिलाड़ी शामिल नहीं हो पाएंगे। सितंबर माह में कवर्धा में आयोजित राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में कोरबा जिले से केवल कटघोरा ब्लॉक के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। जिसमें जिले के किसी भी खिलाड़ी का चयन राष्ट्रीय बेसबॉल प्रतियोगिता के लिए नहीं हुआ है। हालांकि प्रदेश के अन्य जिलों के खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए हैं। कटघोरा के अलावा कोरबा ब्लॉक से भी बेसबॉल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेते हैं, लेकिन राज्यस्तरीय स्पर्धा के लिए केवल कटघोरा ब्लॉक के खिलाड़ी ही चयनित हुए थे।

6 ग्राउंड होंगे तैयार

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शहर में 6 ग्राउंड तैयार किए जाएंगे। इनमें पीजी कॉलेज में 2 ग्राउंड बनाए जाएंगे। सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में 2 ग्राउंड तैयार करना पड़ेगा एवं 2 ग्राउंड एसईसीएल सेंट्रल वर्कशॉप के मैदान में तैयार किए जाएंगे। सभी 6 मैदान तैयार करने हेतु निजी एवं सरकारी स्कूलों के खेल शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है।

कोरबा जिले में राज्य बनने के बाद राष्ट्रीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 2001 से शुरू हुआ था। जिसमें व्हालीवाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता संपन्न कराई गई थी। एक बार फिर जिले को राष्ट्रीय खेल की मेजबानी का मौका मिला है। राष्ट्रीय प्रतियोगितयों के लिए वर्तमान में निगम द्वारा तैयार किए गए प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम के लिए पूरी तरह से सर्वसुविधायुक्त है, किंतु जिला प्रशासन ने 20वीं राष्ट्रीय बेसबॉल की प्रतियोगिता हेतु प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम को दरकिनार कर सीएसईबी फुटबाल ग्रांउड को चयनित किया है। 1500 खिलाड़ी और 500 अन्य लोगों के मार्चपास्ट किए जाने को लेकर मैदान में जगह कम होने की संभावना जताई जा रही है। इतनी बड़ी तादाद में खिलाड़ियों के द्वारा मार्चपास्ट किए जाने के लिए प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में पर्याप्त जगह है। अब तक कई प्रतियोगिताओं का आयोजन हो चुका है। ऐसे में 20वीं राष्ट्रीय बेसबॉल प्रतियोगिता के लिए सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम को दरकिनार करना समझ से परे है। प्रतियोगिता के उद्घाटन को लेकर सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड का चयन करना भी समझ से परे है। यातायात व्यवस्था को लेकर सीएसईबी सबसे व्यस्ततम चौक है। यातायात का दबाव चौक में सर्वाधिक रहता है एक सप्ताह तक चलने वाली प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को लेकर आने वाले वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था भी चरमरा जाएगी।

प्रतियोगित की कार्य योजना बन रही है

20वीं राष्ट्रीय शालेय बेसबॉल प्रतियोगिता की कार्य योजना बन रही है। उद्घाटन के लिए सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड का चयन किया जा रहा है। मैच के लिए और भी गाउंड बनाए जाएंगे। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए कार्य योजना बनायी जा रही है।

-जीपी भारद्वाज, जिला शिक्षाधिकारी

9 स्कूलों में रुकेंगे

खिलाड़ियों के ठहरने के लिए शहर के ही 9 स्कूलों का चयन किया जाएगा। जिनमें सीएसईबी स्कूल के साथ शहर के दो बड़े निजी स्कूल एवं सरकारी स्कूल तथा कोच मैनेजरों को ठहरने के लिए पंचवटी एवं अन्य विश्राम गृह का चयन किया जाएगा। बीते सप्ताह प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने बैठक आहूत की थी, जिसमें खिलाड़ियों के ठहरने से लेकर प्रतियोगिता के लिए मैदान बनाने तथा मैदान तक खिलाड़ियों को लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था करने की भी चर्चा हुई थी।

हाथी देखना पड़ा महंगा, भागने के दौरान दो ग्रामीण हुए घायल

घायल ग्रामीण का हाल चाल जानते वनकर्मी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कटघोरा वनमंडल में विचरण कर रहे हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है। जब ग्रामीणों को पता चला कि गांव में हाथी आ धमका है तो उसे देखने के लिए लोगों की हुजूम उमड़ पड़ी थी जब हाथी ने लोगों को दौड़ाना शुरु किया तो भागने के चक्कर में दो ग्रामीण गिर गए जिससे वे गंभीर रुप से घायल हो गए हैं जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

कटघोरा वनमंडल के एतमानगर, केंदई व पसान रेंज में इन दिनों बड़ी संख्या में हाथी अलग-अलग झुंडों में विचरण कर रहे हैं। इनमें हाथियों का एक झुण्ड बुधवार की रात एतमानगर रेंज के पचरा बीट अंतर्गत सलिहाभाठा गांव पहुंच गया था। हाथियों के गांव के निकट आने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण हाथियों को देखने जंगल चले गए थे। इसी दौरान झुण्ड में शामिल एक दंतैल ने दौड़ाकर ग्रामीणों पर हमला करने की कोशिश की। दंतैल के हमले से बचने ग्रामीण भाग रहे थे तभी विनोद पिता रूपसाय पंडो एवं उमेंद सिंह पिता संबल सिंह फिसलकर गिर पड़े और घायल हो गए। जहां एक का पैर फ्रैक्चर हो गया वहीं दूसरे का हाथ-पाव बुरी तरह छील गया है। हाथी ड्यूटी में तैनात कर्मियों को जब इसकी जानकारी लगी तो तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल ग्रामीणों को 112 वाहन बुलाकर पोड़ी उपरोड़ा अस्पताल भिजवाया जहां उपचार जारी है। वन विभाग द्वारा दोनों घायलों को उपचार के लिए तत्कालिक सहायता राशि रुपए 500-500 दे दी गई है। जानकारी के अनुसार 8 हाथियों का झुण्ड पसान रेंज के बनिया तथा इतनी ही संख्या में हाथी केंदई रेंज के खडफ़ड़ीपारा में घूम रहे हैं। हाथियों के इन दोनों झुण्डों ने अरहर फसल को नुकसान पहुंचाया है।

खास बात

- ऐतमानगर रेंज के सलिहाभाठा गांव का मामला

28 korba-BHOOMI-pg2_Layout 1 12/28/2023 11:30 PM Page 1

रोलर कोस्टर बाजार का तोड़ हैं मल्टी एसेट फंड

बिजनेस डेस्क

इन दिनों शेयर बाजार में अच्छे दिन नहीं चल रहे दिखते हैं। किसी दिन बाजार झूम जाता है तो किसी दिन बिकवाल हावी हो जाते हैं। शेयर बाजार की इस अस्थिरता से ज्यादातर निवेशक खुश नहीं होते हैं। हालांकि निवेशक चाहे तो इससे अपने इनवेस्टमेंट को एक तरह से शील्ड दे सकते हैं। ऐसी स्थिति से बचने का उपाय है एसेट क्लास में महत्वपूर्ण डायवर्सिफिकेशन। एसेट क्लास अपने खुद के चक्रों का पालन करते हैं, और उनके उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन, मल्टी एसेट फंड के जरिए इस स्थिति से निबटने में ज्यादा आसानी होगी। हालांकि मल्टी एसेट फंड से भी सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए इनवेस्टर्स को कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम इन्हीं सावधानी की चर्चा कर रहे हैं।

ऐसे में क्या करें निवेशक

छोटे या रिटेल इनवेस्टर ऐसी स्थिति में डर जाते हैं। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसे में निवेशकों को सीजन एसेट क्लास के फ्लेवर के झांसे में नहीं आना चाहिए। इसके बजाय अपने पोर्टफोलियो के लिए एक संतुलित एसेट एलोकेशन स्ट्रेटेजी का पालन करना चाहिए। यही वह जगह है जहां मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड फिट बैठते हैं और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। यह देखते हुए कि इक्विटी बाजारों में सुधार जितना दिखता है उससे कहीं ज्यादा अच्छा हो सकता है।

सेबी का नियम क्या कहता है

बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टी एसेट फंड हाइब्रिड फंड हैं। सेबी के नियमों के मुताबिक, फंड हाउसों को अपने फंड का न्यूनतम 10% कम से कम तीन एसेट क्लास में निवेश करना होगा। इन तीन एसेट क्लास में घरेलू और इंटरनेशनल इक्विटी, डेट और कमोडिटी का मिला जुला क्लास हो सकता है। इस तरह की रणनीति के लिए सभी एसेट क्लास में निवेश की जरूरत होती है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद इस निवेश को स्थिर रखा जाना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

जानकारों के मुताबिक मल्टी एसेट फंड से सर्वोत्तम रिटर्न पाने के लिए निवेशकों को इन 3 बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान प्राप्त कर पाएंगे।

- पहला यह कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि फंड लेबल के अनुरूप है और एसेट आवंटन मिश्रण में बदलाव नहीं है। उदाहरण के तौर पर निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड घरेलू और विदेशी इक्विटी, कमोडिटी और डेट में 50:20:15:15 के निवेश अनुपात को कभी नहीं बदला है।। इस तरह का अनुशासित निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक हमेशा लाभ में रहें।
- दूसरा, ऐसा फंड चुनना चाहिए जिसका अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में भी निवेश हो। उदाहरण के लिए निप्पॉन मल्टी एसेट फंड जो चार परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है और कॉर्पस का 20% हिस्सा अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में जाता है। सुंदरम, इनवेस्को और एक्सिस जैसे अन्य मल्टी एसेट फंड भी वैश्विक बाजारों में निवेश करते हैं।
- तीसरा-मल्टी एसेट फंड में निवेश करने का तीसरा फायदा निवेशकों को मिलने वाला इंडेक्सेशन का लाभ है। इंडेक्सेशन आपको फंड से ज्यादा प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि निवेश के मूल्य की गणना महंगाई जैसे कारकों को ध्यान में रखकर की जाती है और इससे आपको अधिक लाभ मिलता है।

एक साल में क्या रहा रिटर्न

पिछले एक साल में मल्टी एसेट फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट फंड 15.72% रिटर्न के साथ सबसे आगे है। उसके बाद 13.85% के साथ मोतीलाल ओसवाल और 13.74% के साथ एचडीएफसी मल्टी एसेट फंड है। टाटा मल्टी एसेट फंड का रिटर्न इस दौरान 12.71% रहा है। मतलब कि सभी फंड हाउस ने 12 फीसदी से ज्यादा का ही रिटर्न दिया है।

इंडेक्स फंड्स भी दे सकते हैं फायदा, ध्यान से करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार बाजार पर भी नजर डाल लें और सावधानी पूर्वक पूरी जानकारी जुटाकर और अपने रिस्क को ध्यान में रखकर निवेश की ओर कदम बढ़ाए। बाजार में आपको हर तरह के शेयर मिलेंगे, लेकिन आप ध्यान से एक बार सभी अध्ययन कर उतरेंगे तो आसानी मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। इसलिए जब भी बाजार में उतरें, पहले अपने लक्ष्य तय करें और रिस्क को देखकर ही पैसे लगाएं। वरना आप फायदे की जगह नुकसान का भी सामना कर सकते हैं। बाजार के जानकारों की मानें तो इस समय निवेशकों के लिए इंडेक्स फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जो निवेशक म्यूचुअल फंड में निवेश करके कम से कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, उनके लिए इंडेक्स फंड सबसे बढ़िया विकल्प माने जाते हैं, पिछले एक साल में इन फंडों ने 20 से 24 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इस कैटेगिरी के कई फंड्स ने बीते 1 साल में 21% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इसके अलावा एक्सपर्ट्स के अनुसार अगले 4 साल शेयर बाजार में सालाना 20% बढ़त देखने को मिल सकती है। ऐसे में निफ्टी 50 या सेंसेक्स 30 में भी अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे इंडेक्स फंड के बारे में जो निवेशकों के लिए समय पहली पसंद साबित हो रहे हैं। इन दिनों इंडेक्स फंड में आप भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध बना सकते हैं।

इन फंड्स ने दिया बेहतर रिटर्न

फंड का नाम	1 साल	3 साल	5 साल
यूटीआई निफ्टी इंडेक्स फंड एक्सिस 50 निफ्टी	21.86%	18.17%	13.80%
नेक्स्ट 50 इंडेक्स आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	21.75%	-	-
निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स फंड	20.60%	17.70%	12.80%
एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड	17.10%	16.60%	14.80%
आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी इंडेक्स फंड	17.20%	16.70%	15.10%

- पिछले 1 साल में दिया 24% तक का रिटर्न
- निवेशक के लिए पंसद बनकर उभरे ये फंड
- एसआईपी के जरिये शुरू करें निवेश
- फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाते जाएं

एक्सपेंस रेश्यो रहता है कम

इंडेक्स फंड में निवेश करने का खर्च अपेक्षाकृत कम होता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि अन्य प्रत्यक्ष रूप से प्रबंधित म्यूचुअल फंडों में जहां एसेट मैनेजमेंट कंपनी तकरीबन 2% तक शुल्क वसूलती हैं, वहीं इंडेक्स फंडों का शुल्क बहुत कम यानी कि तकरीबन 0.5% से 1 के बीच होता है। अस तरह से इंडेक्स फंड में एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है जो एक तरह से निवेशक को लाभ ही देता है।

डाइवर्सिफिकेशन का मिलता है लाभ

इंडेक्स फंड से निवेशक अपना पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई कर सकते हैं। इससे नुकसान की संभावना घट जाती है। अगर एक कंपनी के शेयर में कमजोरी आती है तो दूसरे में ग्रोथ से नुकसान कवर हो जाता है। इसके अलावा इंडेक्स फंडों में ट्रैकिंग एरर कम होता है। इससे इंडेक्स को इमेज करने की एक्यूरेसी बढ़ जाती है। इस तरह रिटर्न का सटीक अनुमान लगाना आसान हो जाता है।

कितना देना होता है टैक्स?

12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। यह मौजूदा नियमों के हिसाब से कमाई पर 15% तक लगाया जाता है। अगर आपका निवेश 12 महीनों से ज्यादा के लिए है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स माना जाएगा और इस पर 10% ब्याज देना होगा। हालांकि अगर आपका एलटीसीजी 1 लाख से कम है तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

किसके लिए सही हैं इंडेक्स फंड

इंडेक्स फंड उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम रिस्क के साथ शेयरों में निवेश करना चाहते हैं। इंडेक्स फंड ऐसे निवेशकों के लिए बेहतर है जो रिस्क कैलकुलेट करके चलना चाहते हैं, भले ही कम रिटर्न मिले। जानकारों का कहना है कि इन फंडों में भले ही आपको रिटर्न कम मिले, लेकिन आपका पैसा सुरक्षित रहता है और अच्छा लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के जरिए निवेश करना सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है, क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता।

- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने में सक्षम
- ये फंड इक्विटी और डेट दोनों विकल्पों में लगाते हैं निवेशों के पैसे
- रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए बेहतर विकल्प
- निवेशकों के लिए कमाई का बढ़िया जरिया, निवेशकों के लिए आदर्श
- शेयर बाजार बढ़त पर कर रहे मालामाल, सावधानी से बढ़ाएं कदम
- कोई निवेश बिना जोखिम वाला नहीं होता, हर किसी के फायदे-नुकसान

कम रिस्क में भी ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में झमाझम पैसा बरस रहा है। लनगभग सभी कंपनियों के शेयर अच्छा मुनाफा दे रहे हैं, निवेशक मालामाल हो रहे हैं। ऐसे में हर कोई निवेश के लिए तैयार है, लेकिन आप थोड़ी सावधानी के साथ निवेश के लिए बाजार में उतरें तो आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इस समय म्यूचुअल फंड में निवेश करना बेहतर है। ये फंड आपको कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दे सकते हैं और आप आसानी से मालामाल हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड इनवेस्टर से लेकर विदेशी निवेशक तक इस समय सभी खुश हैं। वैसे भी म्यूचुअल फंड (एमएफ) के अधिकतर इनवेस्टर शेयर बाजार के इकोनोमिक्स को सही सही नहीं समझते हैं। तब भी वे बाजार की तेजी में हिस्सेदार बनते हैं। दरअसल, म्यूचुअल फंड निवेश बाजार की बात करें तो निवेशकों का प्राथमिक लक्ष्य अपने निवेश पर बेहतर रिटर्न हासिल करना है। लेकिन कुछ बातों पर ध्यान रखें तो वे म्यूचुअल फंड से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। शेयर बाजार के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई भी निवेश बिना जोखिम वाला नहीं है, हर निवेश के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करते हुए अपने रिटर्न को अधिकतम करने का लक्ष्य रखने वालों के लिए एक बेहतर विकल्प प्रदान करते हैं। इससे उन्हें महत्वाकांक्षी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

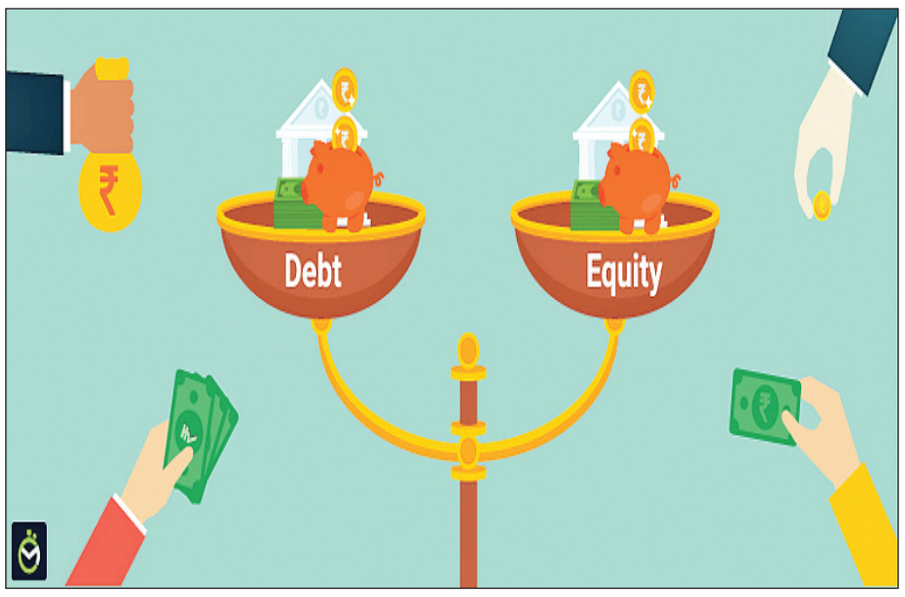

कम जोखिम और हाई रिटर्न

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जोखिम और रिवार्ड के बीच एक संतुलन हासिल करने की अपनी क्षमता के लिए पॉपुलर होते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों तरह के विकल्पों में रणनीतिक रूप से निवेश करते हैं। ये फंड डेट विकल्पों में निवेश के माध्यम से स्थिरता प्रदान करते हैं, जबकि इक्विटी में निवेश के जरिए पूंजी में तेज बढ़ोतरी की क्षमता प्रदान करते हैं। यही संतुलन बाजार की अस्थिरता के प्रभाव को कम करते हुए मजबूत रिटर्न प्राप्त करने का बेहतर तरीका है।

लंबी अवधि के निवेश लक्ष्य को पूरा करने वाला विकल्प

चाहे आपका लक्ष्य सेवानिवृत्ति के लिए फंड जुटाना हो, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए फंड जुटाना हो, या कोई अन्य दीर्घकालिक उद्देश्य पूरे करने के लिए फंड जुटाना हो, बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपको उस लक्ष्य पूरा करने में मदद कर सकते हैं। उनका सक्रिय प्रबंधन और बेस्ट रिटर्न देने की क्षमता उन्हें महत्वाकांक्षी वित्तीय लक्ष्य बनाने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है।

यह है बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

दरअसल यह म्यूचुअल फंड का एक ऐसा उत्पाद है, जो इक्विटी और डेट दोनों का मिला जुला होता है। बाजार की स्थितियों, ब्याज दरों और व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच बैफ में बदलाव होते रहता है। यह बाजार के हालात से निवेशकों का बचाव करता है. बाजार चाहे गिरा हुआ हो या नई ऊंचाइयों पर हो, नया संतुलन हो जाने से निवेशकों के लिए ये फंड जोखिम को कम कर देते हैं। जब बाजार को प्रभावित करने वाले कारकों में तेजी से बदलाव हो रहा हो, तब एक आम निवेशक के लिए उसके हिसाब से अपने पोर्टफोलियो को समायोजित करते रह पाना मुश्किल हो जाता है। जैसे मौजूद हालात को देखें तो दुनिया साल भर से ज्यादा समय से पूर्वी यूरोप में युद्ध की स्थिति से जूझ रही है। ग्लोबल इकोनॉमी के ऊपर मंदी का खतरा है। महंगाई और उसके कारण लगातार बढ़ते ब्याज दरों का दबाव है। ऐसे माहौल में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज जैसे फंड ने पिछले एक दशक से भी अधिक समय में इक्विटी या डेट में एंट्री-एक्जिट को अच्छे से मैनेज किया है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की यह रणनीति होती है कि जब बाजार नीचे हो तो सस्ते में शेयर खरीदे जाएं और जब बाजार ऊपर हो तो उसे महंगे में बेचकर निकल जाएं। इससे निवेशकों को महंगे बाजारों के दौरान मुनाफा कमाने में मदद मिलती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि इन फंडों का शुद्ध इक्विटी एक्सपोजर 30 फीसदी के स्तर तक नीचे जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इक्विटी में निवेश 65 फीसदी और उससे अधिक पर बनाए रखा जाता है।

बेहतर विकल्प क्या हैं

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर आप ऐसे निवेश की तलाश कर रहे हैं जो जोखिम समायोजित (रिस्क एडजस्टेड) बेहतर रिटर्न की संभावना प्रदान करता है, तो बैलेंस्ड एडवांटेज फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो कसता है। इसके अलावा किसी और विकल्प के बारे में विचार न करें। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड निवेश का एक ऐसा जरिया है, जिसमें जोखिमों को प्रभावी ढंग से मैनेज (प्रबंधित) करते हुए बेहतर रिटर्न प्रदान करने की क्षमता होती है। पिछले कई सालों से देखा भी जा रहा है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने निवेशकों को कम रिस्क में बेहतर रिटर्न दिया है। इस योजना में निवेशक आराम से निवेश कर अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

बेहतर रिटर्न के लिए डायनमिक अलोकेशन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की सबसे खास विशेषताओं में से एक उनका डायनमिक एसेट अलोकेशन है। कुशल फंड मैनेजर लगातार बाजार की स्थितियों पर अपनी नजर रखते हैं और इक्विटी व डेट के बीच फंड के आवंटन को उसी अनुसार समायोजित करते हैं। जब बाजार में तेजी होती है, तो वे इक्विटी में निवेश बढ़ाते हैं, और बाजार में गिरावट के दौरान, वे डेट इन्वेस्टमेंट के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह सक्रिय प्रबंधन निवेशकों को अवसरों का लाभ उठाने और बाजार के चुनौतीपूर्ण चरणों से निपटने में मदद करता है, जिससे संभावित रूप से अधिकतम रिटर्न मिलता है।

दौलत बढ़ाने के लिए बेहतर प्रदर्शन

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की पहचान लंबी अवधि में लगातार रिटर्न देने की उनकी क्षमता है। यह स्थिरता उन निवेशकों को आकर्षित कर रही है जो अपने रिटर्न में पूर्वानुमान के स्तर को बनाए रखते हुए अपनी संपत्ति में लगातार बढ़ोतरी करना चाहते हैं। फंड का स्थिर प्रदर्शन समय के साथ सर्वोत्तम रिटर्न हासिल होने की संभावना में योगदान देता है।

हायर नेट रिटर्न के लिए टैक्स दक्षता

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को टैक्स बेनेफिट देने के लिए डिजाइन किया गया है। जब वे अपनी संपत्ति का 65% से अधिक इक्विटी में आवंटित करते हैं, तो इन पर इक्विटी फंड की तरह टैक्स लगता है। इसके परिणामस्वरूप टैक्स देनदारी कम हो सकती है, विशेष रूप से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए, जिससे निवेशकों को अपने रिटर्न का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

डायवर्सिफिकेशन को आसान बनाया गया

डाइवर्सिफिकेशन हासिल करना जटिल हो सकता है, लेकिन बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इस प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इन फंडों में निवेश के जरिए आपका पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड हो जाता है, क्योंकि ये अलग अलग एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इससे न सिर्फ जोखिम कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कई सेक्टर और एसेट क्लास (परिसंपत्ति वर्गों) का लाभ उठाकर सर्वश्रेष्ठ रिटर्न की संभावना भी बढ़ाता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए भी म्यूचुअल फंड पर बढ़ा भरोसा

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट की बात करें तो कुछ साल पहले यह भारतीयों के फाइनेंशियल प्लानिंग में प्राथमिकता नहीं थी। इसकी बजाए बहुत से लोग अपने दूसरे लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्लानिंग करते थे, लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा है। रिटायरमेंट भारतीयों के लिए अब तेज गति से वित्तीय प्राथमिकता बन रही है और ज्यादा से ज्यादा लोग अब अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में इसे तरजीह दे रहे हैं। रिटायरमेंट को फाइनेंशियल प्लानिंग में ऊपर रखने के मामले में भारत 2023 के एक सर्वे के अनुसार दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है, जो 2020 में 8वें स्थान पर था। एक सर्वे में ये बातें सामने आई हैं। इस सर्वे के अनुसार पहले रिटायरमेंट मुख्य रूप से परिवार के दायित्वों को पूरा करने को लेकर जुड़ा था, लेकिन पिछले कुछ साल में, इसकी परिभाषा आत्म-सम्मान और खुद की पहचान की तलाश तक पहुंच गई है। यानी अब लोग रिटायरमेंट के बाद भी वर्किंग ईयर की तरह बेहतर लाइफ जीना चाहते हैं। आज, भारतीय अपनी जरूरतों या इच्छाओं से समझौता किए बिना अपने फाइनेंस पर नियंत्रण चाहते हैं, जिसके लिए बेहतर रिटायरमेंट प्लानिंग बहुत जरूरी है।

इन पहलुओं पर विचार

पॉजिटिव पहलू

पॉजिटिव पहलू यह है कि धन को अप्रत्याशित/अपेक्षित जरूरतों के प्रति 'सुरक्षा जाल' के रूप में माना जाता है। इसे अपनी फैमिली के प्रति अपने कमिटमेंट को पूरा करने के लिए 'सक्षम बनाने वाला' और सामाजिक सम्मान और गौरव चाहने वालों के लिए 'सक्षम होने का प्रतीक' माना जाता है। महामारी के बाद, यह 'स्वतंत्रता की तलाश' के नए आकार में विकसित हुआ है—यानी अपनी लाइफ स्टाइल और जरूरतों से समझौता किए बिना जिम्मेदारियों को पूरा करना। इन जरूरतों और जिम्मेदारियों में बड़ा घर बनाना, बच्चों के लिए क्वालिटी एजुकेशन से लेकर फैशन, तकनीक, साज-सज्जा विकल्पों, छुट्टियों आदि के माध्यम से लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाना शामिल है।

निगेटिव पहलू

निगेटिव पहलू यह है कि पैसा बनाने और उसे मैनेज करने को लेकर लोगों के कमिटमेंट और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। निगेटिव पहलू में, अगर कोई विशेषज्ञता की कमी या बढ़ते फाइनेंशियल डिजिटल वर्ल्ड को अपनाने में असमर्थता/देरी होने के कारण अपने पैसे को अच्छी तरह से मैनेज करने में असमर्थ है—तो इससे सामाजिक शर्मिंदगी, कम आत्मसम्मान और/या कमी की भावना पैदा हो सकती है।

भारतीय निवेशक फिक्स्ड इनकम और बीमा को दे रहे प्राथमिकता, ईटीएफ की तुलना में एमएफ आकर्षण बढ़ा

- व्यक्तिगत आय में बढ़ोतरी के साथ लोगों की आय में से कर्ज और देनदारियों के लिए अलोकेशन बढ़ रहा है। भारतीय अपने धन का 59 फीसदी घरेलू खर्चों के लिए और 18 फीसदी लोन चुकाने के लिए रख रहे हैं, जो 2020 के मुकाबले ज्यादा है।
- लोगों द्वारा पूंजी के निर्माण की दिशा में एक प्रयास किया जा रहा है, जहां कुल आय का 5 फीसदी स्किल डेवलपमेंट या एजुकेशन लोन के लिए अलोकेट किया जाता है।
- 48 फीसदी ने बताया कि महामारी के कारण सोच, व्यवहार और वित्तीय योजना में बदलाव आया। -भारतीय वित्तीय रूप से अधिक जागरूक, योजना बनाने वाले और अनुशासित हो गए हैं।
- अब कम आय के साथ, अधिक रिटर्न जेनरेट करने और वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने पर अधिक ध्यान है। जैसे-जैसे आय बढ़ रही है, लोगों की प्राथमिकता अपने वर्तमान वर्किंग प्लेस में उच्च पद तक पहुंचना और पैसिव इनकम के सोर्स विकसित करने जैसे अन्य पहलुओं को दी जा रही है।

- पहचान' और 'आत्म-सम्मान' अब केवल भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद की देखभाल करना और जानने तक भी बढ़ रहा है।
- महामारी के बाद, भारतीयों ने पारिवारिक सुरक्षा के अलावा, मेडिकल इमरजेंसी और रिटायरमेंट योजना जैसी लंबी अवधि के लक्ष्य पर अधिक जोर देना शुरू कर दिया है।
- महामारी के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित 'आय के वैकल्पिक सोर्स की कमी' के बारे में चिंता करने वालों की संख्या साल 2020 में 8% से बढ़कर 2023 में 38% तक पहुंच गई है।
- महामारी के बाद, 'महंगाई' व 'आर्थिक मंदी' रिटायरमेंट के बाद फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित चिंताओं की टॉप लिस्ट में आ गए।
- करीब 67 फीसदी भारतीयों का कहना है कि वे रिटायरमेंट के लिए तैयार हैं, जिससे उन्हें काम और जीवन के बारे में पॉजिटिव सोच मिलती है, जिन लोगों ने अपनी रिटायरमेंट की योजना बनाई है, वे आमतौर पर इसे 33 साल की उम्र के आसपास शुरू करते हैं और जिन्होंने नहीं किया है, वे 50 की उम्र में शुरू करने का इरादा रखते हैं।
- 2020 में 10% की तुलना में 2023 में 23% लोगों को सीधे इक्विटी/शेयर और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की तुलना में म्यूचुअल फंड ज्यादा आकर्षक दिख रहा है। सर्वे के अनुसार भारतीय निवेशक अभी भी फिक्स्ड इनकम विकल्पों और बीमा को प्राथमिकता देते हैं।
- बदल रही लाइफ स्टाइल और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों के साथ, भारतीयों को लगता है कि उन्हें अपने रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए अपनी सालाना आय का 10-12 गुना चाहिए, जो 2020 के सर्वेक्षण में 8-9 गुना था।

वित्तीय सुरक्षा को लेकर सजग

आय का वैकल्पिक सोर्स होने से रिटायरमेंट के लिए तैयारी की भावना काफी बढ़ जाती है। सर्वे में भाग लेने वाले 36 फीसदी में से जिनके पास वैकल्पिक आय के सोर्स हैं, उनमें से 42 फीसदी ऐसे हैं, जिन्हें फाइनेंशियल एसेट्स में निवेश से अतिरिक्त आय होती है। अब हर कोई अपनी वित्तीय सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सजग है। जिनके पास रिटायरमेंट योजना है, उनमें से सिर्फ 10 फीसदी ही रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से उचित फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर सेवाएं चाहते हैं।

28 korba-BHOOMI-pg3_Layout 1 12/28/2023 11:25 PM Page 1

खबर संक्षेप

सतनाम कल्याण समिति का कार्यक्रम कल

ढेलवाडीह। सांस्कृतिक कार्यक्रम सतनाम दर्शन एवं लोक कला मंच मनीष मनचला आदर्श सतनाम कल्याण समिति परसाभांटा बालकोनगर में 30 दिसंबर को कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की गई है। ध्वजारोहण एवं भोजन दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक। पंथी कार्यक्रम 5.30 बजे अतिथि आगमन एवं स्वागत 4 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया गया है। जिसमें आयोजक अध्यक्ष रामकृष्ण सोनवानी, उपाध्यक्ष चंद्रभान जोशी, सचिन ईश्वर चेषकर, कोषाध्यक्ष विश्वजीत महिलागे, उप कोषाध्यक्ष राधेश्याम टंडन, आयोजक साथीगढ़, राकेश दिसपाट, केशव जांगड़े, फिलिप कोसले सतराम मधुकर एवं एसएल पत्र समस्त सतनाम कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत इंटर्नशिप में भाग ले रहे विद्यार्थी

पंतोरा। पंतोरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पंतोरा के प्राचार्य श्रीमती राजकुमारी गिडवानी, व्यवसायिक प्रशिक्षक नुकेश कुमार फरिकार (हेल्थ केयर) के मार्गदर्शन से आयुष्मान आरोग्य मंदिर पंतोरा (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पंतोरा) में कक्षा 11वी और 12वी के विद्यार्थी इंटर्नशिप के माध्यम से ले रहे है प्रशिक्षण। विद्यार्थी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करते हुए व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रायोगिक कार्य पूर्ण करते हैं तथा आसपास के नजदीकी स्वास्थ केंद्र में इंटर्नशिप ऑन जॉब ट्रेनिंग के माध्यम से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं, अस्पताल के कार्यप्रणाली, प्राथमिक उपचार, टीकाकरण, मलहम पट्टी करना, सूई लगाना, गर्भवती माताओं को मिलने वाली सुविधाओं, प्रसव सम्बंधी जॉच, खून जॉच और अन्य स्वास्थ्य संबंधित अनेक जानकारियाँ प्राप्त करते हैं। उक्त कड़ी में विद्यार्थियों को सीखने जानने में अस्पताल के सहायक स्वास्थ अधिकारी नीलसागर यादव एवं उनके टीम का पूर्ण सहयोग समर्थन प्राप्त होता है।

डाक समुदाय विकास कार्यक्रम डाक चौपाल तिलकेजा में संपन्न

बरपाली। डाक विभाग द्वारा एक दिवसीय डाक चौपाल तिलकेजा मे डाक समुदाय विकास कार्यक्रम के तहत सहायक डाक अधीक्षक कोरबा द्वारा संपन्न कराया गया। इस डाक चौपाल संदेश खुशहाली का की थीम पर बताया गया कि डाक विभाग अब पत्र पत्रिका बाटने तक सीमित नहीं है अब सभी डाक घर चाहे शहर हो या गाँव के सभी डाक घर बैंक हो गया है जहाँ सभी तरह के खाते खोले जा रहे है एवं भुगतान भी किया जा रहा है घर बैठे बैंक की सुविधा अपने गाँव में मिल रही है जहाँ सभी खुशहाली का माहौल है अब पोस्ट आफिस में नरेगा भुगतान पेंशन बोनस सभी आ रहा है अपने घर में ही मिल जा रहा है शहर या दूर नहीं जाना पड़ता है डाक घर में बीमा योजना भी का लाभ मिल रहा है एस बी आर डी टी डी सुकन्या समृद्धि पी पी एफ आई पी पी बी एस बी पी आर एम आदि खाते असानी से खुल रहे उक्त उद्गार सहायक डाक अधीक्षक कोरबा श्री जी आर देवांगन ने बताया वही ग्रामीण डाक जीवन के अलावा अन्य वित्तीय सेवाएं ई कामर्स एवं निर्यात सेवाएं नागरिक केन्द्रीय सेवाएं आधार सर्विस पास पोर्ट डाक घर निर्यात सेवाएं मोबाइल से आधार लिंक रेल टिकट आदि सुविधाओं लाभ एक ही छत के नीचे मिल रहा है इस चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीण डाक जीवन बीमा के एक करोड़ पचास लाख व्यवसाय के अलावा एस बी के 35 आर डी 42 सुकन्या समृद्धि के 49 पी पी बी के 5 खाते टी डी के 10 खाते खोले गए इस अवसर पर मेल ओवरसियर विक्रम सिंह सहित शाखा डाक पाल सहायक शाखा डाक पाल जी डी एस कर्मचारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में आज यहां लगेंगे शिविर

कोरबा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत 29 दिसंबर को विकासखंड कोरबा के ग्राम नकिया, विमलता व रपता में 10 बजे से तथा श्यांग, सरसाडेवा व छिरहूंट में 2 बजे से, विकासखंड कटघोरा के ग्राम खोडरी में 10 बजे से और ग्राम बाता में 2 बजे से, पोडी उपरोडा ब्लॉक के मदनपुर (पुटा) में 10 बजे से, पतुरियाडांड में दोपहर 2 बजे से, करतला विकासखंड अंतर्गत ग्राम नोनबिर्रा में 10 बजे से तथा केरवाद्वारी मे 2 बजे से, विकासखंड पाली के ग्राम माखनपुर में 10 बजे से और डूमरकछार में दोपहर 2 बजे से विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन किया गया है।

केन्द्र सरकार ने बदल दिया राशि के उपयोग करने का माध्यम

सांसद मद की राशि अब साक्षी पोर्टल से होगी जारी, सीधे जाएगी निर्माण एजेंसी के पास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

लोक सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों का विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली सांसद मद की राशि के प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब उक्त राशि साक्षी पोर्टल के द्वारा ही सीधे निर्माण एजेंसी को जारी की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया से अब सांख्ययकी विभाग की भूमिका समाप्त हो गई है। केवल प्रशासकीय स्वीकृति का ही कार्य उसके जिम्मे रहेगा।

लोकसभा सांसद के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाने हेतु प्रतिवर्ष अपने मद से राशि जारी की जाती है, जिसे सांसद मद की राशि कहा जाता है। इस राशि के लिए पूर्व में सभी तरह के प्रस्ताव जिला प्रशासन के सांख्यिकी विभाग के माध्यम से केन्द्र सरकार को भेजे जाते थे और वहां से स्वीकृति मिलने के बाद मद की राशि यांख्यिकी विभाग को ही प्राप्त होती थी और विभाग के द्वारा ही विकास कार्यों के लिए राशि जारी की जाती थी। अब इस प्रक्रिया को बदलते हुए केन्द्र सरकार ने साक्षी नाम से एक पोर्टल तैयार किया है। अब सांसदों को अपने क्षेत्र में कराए जाने वाले किसी भी तरह के विकास कार्यों का प्रस्ताव पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन भेजना होगा। अब सांख्यिकी विभाग को प्रस्ताव नहीं भेजा जाएगा तथा ऑनलाईन प्रस्ताव केन्द्र सरकार को मिलने के बाद सांख्यिकी विभाग से केवल प्रशासकीय स्वीकृति का लेटर ही दिया जाएगा और उसके बाद केन्द्र सरकार सांसद मद की राशि सीधे जिला प्रशासन की निर्माण एजेंसी को जारी कर देगी। पहले यही राशि सांख्यिकी विभाग को आती थी। जिले में सांसद मद के कार्यों के लिए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को एजेंसी बनाया गया है। किसी भी तरह के विकास कार्यों को अब ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा ही किया जाएगा। सांख्यिकी विभाग का काम अब केवल प्रशासकीय स्वीकृति तक ही सीमित रह गया है।

खास बात

- पूर्व में विधायक मद की तरह सांख्यिकी विभाग के माध्यम से राशि होती थी जारी

कहीं से भी भेज सकेंगे प्रस्ताव

विकास कार्यों के प्रस्ताव पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन मंगाए जाने की प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही अब जनप्रतिनिधियों को अपनी क्षेत्र के विकास कार्यों का प्रस्ताव साक्षी प्रोर्टल में ही भेजना होगा और वह कहीं से भी ऑनलाईन प्रस्ताव भेज सकते हैं। इस प्रक्रिया से जनप्रतिनिधियों को प्रस्ताव की कॉपी जिला सांख्यिकी विभाग में जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पूर्व में विकास कार्यों के प्रस्ताव को पहले सांख्यिकी विभाग में जमा कराया जाता था और वहां से अनुमोदन पश्चात सरकार को भेजा जाता था, जिसमें काफी समय लगता था और अब इस नई व्यवस्था से जनप्रतिनिधियों को भी प्रस्ताव भेजने आसानी होगी।

भेजना होगा प्रस्ताव

सांसद मद से किए जाने वाले विकास कार्यों का प्रस्ताव अब केन्द्र सरकार के साक्षी पोर्टल में ऑनलाईन भेजा होगा। सांख्यिकी विभाग केवल प्रशासकीय स्वीकृति देगा। मद की राशि सीधे निर्माण एजेंसी को जाएगी। पूर्व में यह सांख्यिकी विभाग के माध्यम से ही जारी की जाती थी। जिले में आरईएस को मद की निर्माण एजेंसी बनाया या है।

-**मोहन सिंह कंवर,** जिला सांख्यिकी अधिकारी

योग साधना से होगा समस्याओं का निदान

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

महिलाओं एवं बालिकाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को नियमित दिनचर्या खान-पान एवं योग साधना से ही ठीक करना संभव है। उक्त विचार डॉ अंशु अग्रवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ ने महिला योग शक्ति दिवस के अवसर पर व्यक्त किया। यह कार्यक्रम भारतीय योग संस्थान के मार्गदर्शन में स्थानीय अग्रोहा भवन के सभागार में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर भारतीय योग संस्थान की क्षेत्रीय प्रधान श्रीमती आभा अग्रवाल ने योगाभ्यास के महत्व को विस्तार से समझाते हुए विभिन्न आसन प्राणायाम और ध्यान के लाभ के बारे में बताया। इस अवसर पर श्रीमती पारुल सरकार द्वारा शंखनाद कर पूरे वातावरण को ओजमय बना दिया गया। तत्पश्चात केंद्र प्रमुख द्वारा योग साधना कराई गई योग आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत गायन एवं नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण कर समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर केंद्र प्रमुख श्रीमती अंजलि केसरवानी श्रीमती एकता अग्रवाल श्रीमती मीना बेरीवाल श्रीमती कंचन जायसवाल श्रीमती रश्मि सोनी सहित भारी संख्या में योग साधक उपस्थिति रही मंच संचालन श्रीमती नेहा पोद्दार एवं श्रीमती रंजना मित्तल ने किया

बांकीमोंगरा थाने का एसपी ने किया निरीक्षण

थाने में उपस्थित एसपी व पुलिस स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने बांकीमोंगरा थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने दस्तावेजों को देखने के साथ इसे मेंटेन करने और पेंडेंसी रेट कम करने के प्रयास की सराहना की। आगन्तुक कक्ष, विवेचना अधिकारी, सीसीटीएनएस व्यवस्था को देखने के साथ उन्होंने संतोष जताया। निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी ने यहां से जुड़ी व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। एसपी ने इस दौरान कहा कि सभी तरह के अवैध कार्यों पर नजर रखने के साथ ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाए। इस तरह की शिकायतें नहीं आनी चाहिए, इसका भी पूरा ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के अंतर्गत यहां पहुंचे कुछ लोगों से समस्या जानी गई।

खिलाड़ियों को मिलेगी हरसंभव मदद: लखन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खिलाड़ियों को सम्मानित करते लखनलाल देवांगन।

जिले में राज्य स्तरीय बाल बैडमिंटन के तीन दिवसीय स्पर्धा का समापन हो गया। इस अवसर पर अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन उपस्थित हुए। उन्होंने खिलाडिय़ों का हौसला औफजाई करते हुए कहा कि शासन ने निर्णय लिया है कि खिलाडिय़ों को हर संभव मदद दिया जाएगा इसके लिए वे भी प्रयास करेंगे। विद्युत गृह में आयोजित स्पर्धा में राज्य के सभी खिलाड़ी शामिल हुए जिसमें महिला एवं पुरूष वर्ग का खिताब भिलाई की टीम ने जीता।

समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री लखनलाल देवांगन ने सर्पप्रथम विजयी खिलाडिय़ों को शील्ड व पारितोषिक प्रदान किया। श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवगठित सरकार ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने का बीड़ा उठाया है। इसी तरह खेल विभाग को भी अधिक से अधिक सहयोग करने का निर्णय लिया है। खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल में हार व जीत एक पैमाना है लेकिन हार के बाद भी अधिक परिश्रम करने की प्रेरणा मिलती है।

साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाडिय़ों को सभी क्षेत्रों में सभी तरह का सहयोग दिया जाएगा। इस दौरान बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष समीर अग्रवाल, सचिन राजेश, प्रदेश सचिव राजा राव, जिला ओलंपिक संघ के सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, कोषाध्यक्ष सुशील गर्ग, पार्षद नारायण महंत, अब्दुल रहमान, प्रफुल्ल तिवारी, नरेंद्र देवांगन, नरेंद्र पटनवार, राधे यादव, निकेश ठाकुर, चंदन सिंह, पुनी राम साहू एवं स्कूल के प्राचार्य श्री रात्रे एवं पदाधिकारीगण सहित दर्शक उपस्थित रहे।

वार्षिक उत्सव में बच्चों ने प्रस्तुत किए मनमोहक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कृष्णा नगर के सन राईज इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल का वार्षिक उत्सव शहीद भगत सिंह कॉलोनी स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में 23 दिवंबर को संपन्न हुआ। जिसमें शाला के नन्हें मुन्नें बच्चों और छात्र-छात्राओं द्वारा बहुत ही मनमोहक प्रस्तुती दी गई। साथ ही रामचरित मानस और रानी लक्ष्मीबाई की झांकी स्वरूप भी पेश किया गया। इस तारतम्य में शाला प्रबंधक सुभाशिष भट्टाचार्य और प्राचार्या श्रीमती पूर्णिमा भट्टाचार्य द्वारा अभिभावकगण और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। शाला के शिक्षिकाओं ने भी सराहनीय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम की प्रस्तुति देती नन्ही छात्राएं।

एनएच पर टाटा मैजिक की टक्कर से गिरे बाइक सवार, पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बतौली/सेदम

गुरुवार की देर शाम एनएच 43 पर हुए टाटा मैजिक वाहन की टक्कर से सड़क पर गिरे बाइक सवारों को पीछे से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया। इस घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दुसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया गया है। वहीं घटना के बाद भाग रहे ट्रक को पुलिस ने घेराबंदी आकर पकड़ लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। दो दिनों के भीतर एनएच पर क्षेत्र के तीन युवकों की मौत से मातम पसर गया है। बताया जा रहा है कि थाना अंतर्गत जूनापारा मंगारी निवासी 33 वर्षीय बाबूलाल आ. सुखदेव अपने साथी 36 वर्षीय जयमल आ. स्व. मुगता के साथ बाइक क्रमांक सीजी 17 ओएफ 5800 से किसी काम से निकला हुआ था और दोनों वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान देर शाम सेदम पुलिया के समीप पीछे से आ रहे टाटा मैजिक वाहन क्रमांक सीजी 15 डीयू 2632 के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इससे पहले की घायल युवकों को सड़क से उठने का मौका मिलता अंबिकापुर की ओर जा रहे खाली ट्रक क्रमांक एनएल 01 जी 2099 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क पर घायल युवकों को कुचल दिया। इस घटना में बाबूलाल की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जयमल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस द्वारा घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से डॉक्टरों ने घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया है। इसके साथ ही घटना की जानकारी मिलने के बाद बतौली पुलिस द्वारा घेराबंदी कर दुर्घटनाकारित ट्रक को पकड़ लिया गया है।

खास बात

- एक युवक की मौके पर हुई मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

दुर्घटनाग्रस्त वाहन।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का विस्तार सांसद ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ट्रेनों की लेट लतीफी व लगातार कैंसल हो रही यात्री ट्रेनों के कारण यात्रियों को रही परेशानी के बीच कोरबावासियों के लिए रेल विभाग द्वारा सुखद भरी खबरों का स्वागत करते हुए सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने केन्द्रीय रेल मंत्री का आभार जताया है। सांसद ने कहा है कि उनके प्रयास और रेल सुविधाओं के लिए लगातार हो रहे संघर्ष व सुविधाओं के लिए पहल तथा पत्राचार पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने संज्ञान लिया और जनता की मांगों के अनुरूप छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का विस्तार कोरबा तक करने का निर्णय लिया गया है। अमृतसर-बिलासपुर के मध्य चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का विस्तार रेलवे द्वारा कोरबा तक किया गया है। जिससे कोरबा से अमृतसर और इस रूट की यात्रा करने वाले यात्रियों को कोरबा से ही जाने और कोरबा तक आने की सुविधा प्राप्त होगी। सांसद ने छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का विस्तार कोरबा तक कराने का निर्णय के साथ ही रेल संबंधी अन्य सुविधाओं को प्रदाय करने पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। इसके साथ ही सांसद ने ध्यानाकर्षण कराया है कि गेवरा रोड-कोरबा से राउरकेला तक एक नई यात्री ट्रेन चलाने, बैकुण्ठपुर रोड एवं कटोरा रेलवे स्टेशन की स्थापना तथा स्पेशल बिलासपुर-गेवरा रोड गाड़ी नंबर-08210 जो प्रतिदिन चलती थी और उसे कोरोनाकाल में सप्ताह के तीन दिन मंगल, बुध व शुक्रवार कर दिया गया है उसे सप्ताह में सात दिन किया जाये। सांसद ने क्षेत्रवासियों की मंशानुरूप उपरोक्त लंबित मांगों का भी शीघ्र एवं यथोचित निराकरण करने की मांग व अपेक्षा केन्द्रीय रेल मंत्री से दोहराई है।

श्रीमती महंत

खास बात

- केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखा पत्र

अयोध्या जाने वाले पद यात्रियों का किया गया स्वागत

स्वागत करते भाजपाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर निर्माण एवं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचंद्र का जिले से पैदल चलकर दर्शन करने जा रहे हैं। रामभक्तों का भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महामंत्री एवं कोरबा नगर निगम के पार्षद नरेंद्र देवांगन ने भगवा गमछा एवं श्रीफल देकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में करोड़ों राम भक्तों के कड़ी संघर्ष के बाद अयोध्या में यह भव्य भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु रामचंद्र का मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा होगा। अयोध्या जाने वाले राम भक्तों में मुड़ापार निवासी राजेंद्र सिंह राजपूत, नवीन जायसवाल लक्ष्मी नारायण साहू, रेलवे कॉलोनी से तिलेश्वर दुबे, सुरजीत सिंह खत्री चिमनी भट्ठा खिलावन दास महंत अमरिया पारा से कृष्णा वैष्णव चिमनी भट्ठा से मनोहर गुप्ता सुरेश गुप्ता शामिल है।

Franchise Unit of
PHYSICS WALLAH
a leading Online Ed-Tech
Platform is HIRING
MARKETING EXECUTIVE
JOB DESCRIPTION
- Minimum 1 year work experience as a sales and marketing professional preferable in Ed Tech
- Excellent communication skill with a pleasing personality
- Degree in marketing or relevant field
- Basic computer skills
- Age Limit: 35 years
- Languages Spoken English, Hindi

COUNSELLOR
JOB DESCRIPTION
- Minimum 2 year work experience as a parents/student counsellor in PU colleges/Coaching Centers
- Excellent Communication skill with a pleasing personality
- Educational Qualification: Minimum Graduacation
- Basic computer skills
- Languages spoken English, Hindi

Interested Candidates should send their resume to below mentioned Email id
pw_korba_head_fr@pw.live
for Queries, call on
7898944805
9343716932

हमें उसे मालिक मानना चाहिए जो हमारे पालन हार और रक्षक हो

भगवत कथा का रसपान करते श्रद्धालु।

हरदी बाजार। उतरदा नावाडीह में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठवें दिन भागवताचार्य पं.प्रेमशंकर चौबे ने कथा विस्तार करते हुए बताया कि जब भागवान श्रीकृष्ण जब बाल्य अवस्था में बड़े ही नटखट और चंचल थे वे हमेशा गोपियों को परेशान करते रहते थे। दही से भरी मटकियों को फोड़ना, मख्खन की चोरी करना वहीं ग्वालों के साथ खेल खेलना और सभी ग्वालों को हराना बस यही लीला उन्हीं अच्छी लगती थी। लेकिन वे इस सभीयों से अथाह प्रेम भी करते थे गांव या उनके आई विपदा के सामने हमेशा रक्षक बनके खड़े हो जाते थे। प्रत्येक वर्ष गांव के सभी लोग इंद्र देव की पूजा-अर्चना कर भोग लगाते आ रहे। तब भागवान श्रीकृष्ण ने गांव वालों से कहा कि आप सभी इंद्र देव की पूजा कर उन्हें भोग लगाते हो उससे अच्छा है कि आप सभी हमारे गायों-बैलों व गांव के जीवकोपार्जन गोबर्धन पर्वत की पूजा करें। जब इन सब की जानकारी इंद्र देव को हुई तो उन्होंने अपना अपमान समझा और गांव में अति वर्षा की आंधी तुफान व बाड़ा ला दी, लेकिन श्रीकृष्ण अपने भक्तों पर आई विकट विपत्ति को देख गांव के सभी नागरिकों के साथ सभी गायों-बैलों समेत अन्य जीवों की रक्षा के लिए विशाल गोवर्धन पर्वत को चीनी उंगली में उठा लिया और सभी की रक्षा की। कथा के छठवें दिन कथा श्रवण करने पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मदनलाल राठौर, चंद्रहास राठौर, रमेश अहिर, विजय जायसवाल, श्रीमती श्यामा देवी शुक्ला, पुष्पेंद्र शुक्ला, श्रीमती नंदनी शुक्ला, फलेंद्र शुक्ला, श्रीमती कल्पना शुक्ला, मुन्नी देवदत तिवारी, चुन्नी कुशल प्रसाद पांडे, शुभम शुक्ला, तारा शंकर शुक्ला आदि उपस्थित थे।

खण्डहर में मादा भालू ने दिया दो शावकों को जन्म

अम्बिकापुर। वन विकास निगम के पार्वतीपुर जंगल से सटे एक खण्डहर में मादा भालू ने दो शावकों को जन्म दिया है। सूचना पर निगम के अधिकारियों ने शावकों की निगरानी के लिए वनकर्मियों को तैनात किया है। वनकर्मी नियमित शावकों की निगरानी कर रहे हैं। वन विकास निगम के अंतर्गत रामानुजनगर परिक्षेत्र के पार्वतीपुर बीट में एक सप्ताह पूर्व एक मादा भालू ने दो शावकों को जन्म दिया है।

Health Town
मिरैकल्स होम्योपैथी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ में प्रथम होम्योपैथी मेडिसीन पर एम.डी.
डॉ. ए.के. चौरसिया (एम.डी.)
पोस्ट द्वारा दवाईयां उपलब्ध
जर्मन दवाईयों द्वारा उपचार
छत्तीसगढ़ में होम्योपैथी की वरिष्ठ चिकित्सा, प्रोफेसर महाराणा प्रताप कॉलेज, रायपुर (छ.ग.)
रायपुर : कटोरा तालाब स्वपनिल नर्सिंग होम के पास मो. 9406004581
बिलासपुर : सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक, रवन लस्सी के पास, मो. 7869048192
आशिम रजिस्ट्रेशन
जड़ से इलाज
ठण्ड पर जोड़ो पर दर्द, गठियावात, नशों में दर्द का संपूर्ण निदान।
L4-L5 नशों में दबाव, शून्यपन, सयाटिका, दोनों पाव पर दर्द, अकड़न।
घुटना - घुटने पर सूजन, दर्द, ज्यादा चलने पर
बैठकर उठने पर दर्द, ऐड़ी, कंधा, कोहनी, गर्दन दर्द का संपूर्ण निदान।

28 korba-BHOOMI-pg4_Layout 1 12/28/2023 11:17 PM Page 1

खबर संक्षेप

एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना में इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप का आज से आगाज

कोरबा। जिले में शुक्रवार से स्कूल के जूनियर खिलाड़ियों के बीच बैडमिंटन के रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना के बैनर तले इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज होगा। 29 और 30 दिसंबर को आयोजित दो दिनों के टूर्नामेंट में विभिन्न स्कूलों के करीब 100 खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा दिखाते हुए चैंपियनशिप पर कब्जा करने कोर्ट में उतरेंगे। उद्घाटन सुबह 11 बजे आयोजित होगा, जिसके मुख्य अतिथि के रूप में एनईपीएस के चेयरमैन मुकेश साहू और सेंट जेवियर्स स्कूल की प्राचार्य श्रीमती लता एन पाटिल गेस्ट आफ आनर होंगी। यह टूर्नामेंट नगर निगम आवासीय परिसर स्थित एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना साडा कॉलोनी निहारिका में आयोजित किया जाएगा। इनमें सभी खिलाड़ी स्कूलों के छात्र-छात्राएं होंगे, जो अंडर 18 और अंडर 14 वर्ष आयु समूह में प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगे। मैच प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने गुरुवार तक की स्थिति में लगभग 80 बालक-बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, विद्यालयों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

एनसीसी कैडेट्स को साइबर सेल टीम ने दी अपराधों से बचाव की जानकारी

कोरबा। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के दिशा निर्देशन एवं सायबर सेल प्रभारी अजय सोनवानी के मार्गदर्शन पर समय-समय पर सायबर सेल की टीम द्वारा छात्रों एवं आमजनों को सायबर अपराधों के प्रति जागरूक किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 26 दिसंबर को शासकीय ई. व्ही. पी. जी. महाविद्यालय हॉस्टल के एनसीसी कैंप में शामिल होने वाले लगभग 400 कैडेट्स सैनिक एवं आर्मी स्टाफ़ के लिये साइबर सेल की टीम द्वारा साइबर अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे साइबर बुलिंग साइबर स्टॉकिंग साइबर फिसिंग डार्क वेब आनलाइन फ्राड फेसबुक इंस्टाग्राम एवं व्हाट्स अप से संबंधित जानकारी दिया गया।

सांड ने महिलाओं सहित कई लोगों को किया जख्मी

कोरबा। एक सांड के चलते गुमटी-ठेला संचालक व राहगीर काफी परेशान हैं। सांड फुटपाथ पर चलने वाले राहगीरों व फल, गुपचुप ठेला लगाने वाले व्यापारियों पर हमला कर देता है। हमले में कई लोग घायल हो चुके हैं, वहीं कई बार बड़ा हादसा होते-होते बचा है। उल्लेखनीय है कि कटघोरा स्थित बस स्टैंड व नगर के कई स्थानों में कई बार होटल व्यवसायी व फल ठेला व्यवसायियों पर सांड हमला कर चुका है। इस संबंध में नगर पालिका प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा सांड को अन्यत्र भेजने किसी प्रकार की कोई पहल नहीं की जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सांड की चपेट में कई बुजुर्ग व महिलाएं भी आ चुकी हैं। दिन भर मुख्य मार्ग व बस स्टैंड में विचरण करने से राहगीरों पर भी हमले का खतरा बना रहता है।नगर पालिका द्वारा आवारा मवेशियों की रोकथाम के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस प्रकार के नजारे कई और क्षेत्रों में बने हुए हैं जिससे हर कोई हलाकान है।

10 लीटर महुआ शराब के साथ ग्रामीण गिरफ्तार

कोरबा। कटघोरा थाना प्रभारी तेज कुमार यादव ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम छुरी निवासी शकुन्तला बाई केंवट 39 वर्ष पति गोपाल केंवट के कब्जे से अवैध महुआ शराब बिक्री करते उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमती 1 हजाररूपये, बिक्री रकम 200 रूपये जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

रातखार से स्टेडियम बाईपास मार्ग में ट्रक चालकों की चलती है मनमानी

जाम से निजात दिलाने एसपी की पहल शहर के मार्गों में लगा नो पार्किंग का बोर्ड

सुनालिया पॉवर हाउस रोड में लगा नो पार्किंग का बोर्ड।

रातखार स्टेडियम मार्ग में इस तरह लगाया गया है नो पार्किंग जोन का बोर्ड।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

यातायात पुलिस की समझाइश का वाहन चालको पर बिल्कुल भी असर नहीं हो रहा है और वह अक्सर यातायात नियमों की अनदेखी कर सड़क पर गाड़ी खड़ी कर देते हैं। जिसके चलते जाम की स्थिति निर्मित होती है। लोगों को सुगम यातायात मिल सके इसके लिए पुलिस अधीक्षक ने शहर के मार्गों का निरीक्षण कर यातायात पुलिस को फरमान जारी किया था जिसके बाद अब पुलिस ने शहर के कई इलाकों में नए सिरे से नो एंट्री का बोर्ड लगाया है। अब इन स्थानों में यदि गाड़ी खड़ी मिली तो चालक को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनों से लगातार सुनालिया चौक पर जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। जिसमें शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग से सुनालिया तिराहे के बीच लोग सड़क पर ही गाड़ी खड़ी कर रहे हैं। इसी तरह स्टेडियम रोड बाईपास पर ट्रक चालक सड़क पर चलने की बजाय सड़क पर ही वाहनों को खड़ा कर देते हैं जिसकी वजह से इस दोनों मार्गों में लगातार जाम की स्थिति निर्मित हो रही थी। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला लगातार शहर के अलग-अलग इलाकों का भ्रमण कर रहे हैं थे इस बीच उन्हें यह समस्या सामने आई तो उन्होंने इस समस्या के निजात के लिए और आम लोगों को सुगम यातायात व्यवस्था मुहैय्या हो सके इसके लिए एसपी ने शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग से सुनालिया तिराहे के बीच नो पार्किंग जोन एरिया का बोर्ड लगाने और सर्वमंगला पुल से लेकर रातखार से स्टेडियम रोड बाईपास पर नो पार्किंग का बोर्ड लगाने यातायात पुलिस को फरमान जारी किया था जिसके लिए यातायात पुलिस ने इन स्थानों पर जगह-जगह नो पार्किंग जोन एरिया का बोर्ड लगा दिया है। अब यदि इन स्थानों पर गाड़ी खड़ी करते पाए गए तो उनके खिलाफ यातायात पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई कर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। यातायात पुलिस की मंशा है कि लोगों को शुभम यातायात व्यवस्था मुहैय्या हो सके और लोग जाम में ना फंसे इसके लिए लगातार एसपी जितेंद्र शुक्ला द्वारा पहल की जा रही है और यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई कर लोगों को समझाइश भी दी जा रही है।

खास बात

- शारदा विहार रेलवे फाटक से सुनालिया तिराहे तक सख्ती से होगी कार्यवाही

की जाएगी कार्यवाही

शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग से सुनालिया तिराहे के बीच नए सिरे से नो पार्किंग का बोर्ड लगाया गया है। इसी तरह सर्वमंगला पुल से बाईपास रातखार स्टेडियम रोड पर भी नो पार्किंग का बोर्ड जगह-जगह लगाया गया है। अब इन स्थानों पर यदि कोई भी गाड़ी पार्किंग करता है तो उसके खिलाफ यातायात पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

-मनोज राठौर
एएसआई, यातायात पुलिस

फाइल फोटो

हाईस्कूल एवं हायर सेकेंड्री की बोर्ड परीक्षा 1 मार्च से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारणी जारी कर दी गई है। मार्च माह के प्रथम सप्ताह से दोनों परीक्षाएं शुरू हो जाएगी। हाईस्कूल सर्टिफिकेट बोर्ड परीक्षा 2 मार्च से प्रारंभ होकर 21 मार्च तक चलेगी। इसी तरह हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा 1 मार्च से प्रारंभ होकर 23 मार्च तक चलेगी। परीक्षाओं को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। हाईस्कूल परीक्षा का पहला पेपर 2 मार्च को हिंदी विषय का रहेगा। इसी तरह 6 मार्च को अंग्रेजी विषय की परीक्षा ली जाएगी। 9 मार्च को गणित एवं 12 मार्च को विज्ञान विषय की परीक्षाएं होगी। 13 मार्च को व्यवसायिक पाठ्यक्रम, 15 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 18 मार्च को संस्कृत अन्य क्षेत्रीय भाषा तथा 21 मार्च को दृष्टि एवं मूक बधीर बाधित छात्रों के लिए ड्राई एवं पेंटिंग की परीक्षाएं होंगी। हायर सेकेंडी परीक्षा का पहला पेपर 1 मार्च को हिंदी, 4 मार्च को अंग्रेजी, 7 मार्च को इतिहास, कृषि विज्ञान, 9 मार्च को संस्कृत, 11 मार्च को भूगोल, भौतिक शास्त्र, 13 मार्च को समाज शास्त्र, 14 मार्च को राजनीति शास्त्र, रसान शास्त्र, लेखा शास्त्र तथा 16 मार्च को मनोविज्ञान, 19 मार्च को गणित, कम्प्यूटर अप्लिकेशन, स्टेनो टाईपिंग, 21 मार्च को जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, 22 मार्च को रिटेल माकेटिंग मैनेजमेंट एवं 23 मार्च को उर्दू मराठी आदि क्षेत्रीय भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित होगी। दोनों बोर्ड परीक्षाएं सुबह 9.15 बजे से 12.15 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

खास बातें

- 10 जनवरी से 22 जनवरी के बीच आयोजित होंगी प्रायोगिक परीक्षाएं
- माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी की समय सारणी

अमले की कमी से जूझ रहा निगम, कई पद हैं रिक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नगर निगम में अधिकारियों व कर्मचारियों की बेहद कमी है। निगम के राजस्व विभाग में अब गिनती के ही कर्मी बच गए हैं। राजस्व निरीक्षक से लेकर सहायक राजस्व निरीक्षक के पद रिक्त हैं। नियमतः हर वार्ड में एक कर्मी राजस्व वसूली के लिए होना चाहिए ताकि अतिक्रमण पर नजर और राजस्व की वसूली तरीके से हो सके, लेकिन कर्मी नहीं होने से शिकायतें लगातार बढ़ रही है।

निगम में जो है उनमें वरिष्ठता को लेकर विवाद चलता रहा है। इस पर लगाम लगाते हुए निगम ने पहले प्रारंभिक सूची जारी की। सूची में कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, लिपिक, राजस्व और सफाई के इंस्पेक्टरों वरिष्ठता के क्रम में नाम तय किए गए हैं। इधर अधिकांश अधिकारी या फिर कर्मचारी जिनकी वरिष्ठता सबसे ऊपर है लेकिन तबादले की वजह से दूसरे निगम में सेवा दे रहे हैं। ऐसे में उनके जूनियर अधिकारी वर्तमान में निगम में वरिष्ठता के पद पर है। लगातार अधिकारियों के तबादले के बाद निगम में और भी अफसरों की कमी हो गई है।नगर निगम में अधिकारियों व कर्मचारियों की वरिष्ठता सूची आचार संहिता लगने के ठीक पहले जारी की गई थी। अब पदोन्नति इसी सूची के आधार पर होगी। इधर वरिष्ठता सूची जारी होने के बाद सभी पदों पर रिक्त पदों की जानकारी स्पष्ट भी हो गई है। कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों व कर्मचारियों के पद रिक्त हैं। तो उधर कई अधिकारियों की मूल पदस्थापना कोरबा निगम में तो है लेकिन प्रतिनियुक्ति पर अन्य निगम में सेवाएं दे रहे हैं। इधर नियमित कर्मियों की संख्या घट रही है तो दूसरी तरफ प्लेसमेंट कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है। स्वच्छता शाखा में नियमित कर्मी सबसे कम है। नियमित सफाई कर्मी आधे से भी कम हो चुके हैं। ठेका सफाई कर्मी और प्लेसमेंट में रखे सफाई कर्मियों के भरोसे काम हो रहा है। कुछ वर्ष पूर्व ही नियमित भर्ती में रोक लगा दी गई थी। इसके बाद से भर्तियां नहीं हो सकी है।

बढ़ रही प्लेसमेंट कर्मियों की संख्या

इधर नियमित कर्मियों की संख्या घट रही है तो दूसरी तरफ प्लेसमेंट कर्मियों की संख्या बढ़ रही है। स्वच्छता शाखा में नियमित कर्मी सबसे कम है। नियमित सफाई कर्मी आधे से भी कम हो चुके हैं। ठेका सफाई कर्मी और प्लेसमेंट में रखे सफाई कर्मियों के भरोसे काम चल रहा है। कुछ वर्ष पूर्व ही नियमित कर्मियों की भर्ती पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद से भर्तियां नहीं हो सकी थी।

किस पद में कितने रिक्त

पदनाम	कुल पद	रिक्त
कार्यपालन अभियंता	8	2
सहायक अभियंता सिविल	13	6
सहायक कार्यालय अधीक्षक	8	5
सहायक ग्रेड-3	70	19
सहायक राजस्व निरीक्षक	2	1
स्वच्छता निरीक्षक	6	5
स्वच्छता पर्यवेक्षक	18	9
वाहन चालक	25	14
भृत्य	30	9

नववर्ष के स्वागत में मचाया हुड़दंग तो पुलिस सिखाएगी सबक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नया साल के जश्न में यदि कोई हुड़दंग करने की कोशिश करेगा तो पुलिस उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेगा। पुलिस ने पहले ही हुड़दंगियों को चेतावनी जारी कर दी है तो वहीं आम जनता से अपील की है कि 31 दिसंबर की रात्रि व नववर्ष के आगमन को लोग बेहतर व शांतिपूर्वक मनाएं।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने नए वर्ष को सौहार्द्र और भाईचारे के साथ मनाने को लेकर निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन में सभी थाना-चौकी प्रभारियों एवं यातायात पुलिस को निर्देश दिया गया की नव वर्ष को देखते हुए जिले के भीड़भाड़ इलाकों की निगरानी और असामाजिक तत्वों पर नजर रखना इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक मनाएं। नए वर्ष पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगह-जगह पुलिस तैनात रहेगी और लगातार पेट्रोलिंग की जाएगी। किसी प्रकार की घटना को तुरंत ही थाना-चौकी प्रभारियों को बताएं एवं अफवाहों पर ध्यान ना दें। नागरिकों से त्यौहार के दिन असामाजिक तत्वों पर नजर रखने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, दोपहिया वाहन में तीन सवारी नहीं बैठे एवं हेलमेट पहन के गाड़ी चलाएं, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, फोर व्हीलर चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें, फोर व्हीलर टू व्हीलर चलाते समय गाड़ियों के कागजात अपने पास रखें, ध्वनि यंत्र का उपयोग निर्धारित डेसिबल से ज्यादा आवाज में उपयोग न करें, उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार ध्वनि यंत्र के उपयोग की समय सीमा का पालन करने की अपील की है।

खास बात

- शांतिपूर्ण नववर्ष मनाने कोरबा पुलिस ने की अपील

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

निजी कंपनी के कार्यालय में तोड़फोड़, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कुसमुण्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीओ स्पेयर प्रा0लि0 कंपनी के सिक्युरिटी इंचार्ज सचिन कुमार मिश्रा 35 वर्ष पिता धर्मेन्द्र मिश्रा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 26 दिसंबर को लगभग 1.30 बजे खोडरी निवासी जैनेन्द्र कुमार ऊर्फ जय के द्वारा अपने हाथ में एक तलवारनुमा हथियार को रखकर जीओ स्पेयर प्रा0लि0 के ऑफिस के अंदर घुसते हुये गाली देते हुये जान से मारने की धमकी देते हुए आफिस के अंदर तोडफोड करने लगे, बाहर में खडी कंपनी के वाहन के शीशा को तोडफोड करने लगे और कंपनी के माईनिंग इंजीनियर मनोज पासवान को मारपीट करने के लिये दौडाने लगा जिसे सचिन कुमार व अजय पाण्डेय के द्वारा बीच बचाव करने पर जैनेन्द्र के द्वारा सचिन के साथ मारपीट किया गया। सचिन की रिपोर्ट पर पुलिस ने जैनेंद्र के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 452, 427 भादवि, 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी
पाठकों के लिए
पाठक पुरस्कार योजना-2023
भाग्य के साथ हर प्रतिभागी को मिलेगा एक सुनिश्चित उपहार
प्रथम पुरस्कार
1 कार
द्वितीय पुरस्कार
4 LED TV
तृतीय पुरस्कार
5 रेफ्रिजरेटर
चतुर्थ पुरस्कार
3 वाशिंग मशीन
कूपन फार्मेट के लिए
पढ़ते रहिए ... हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सड़क किनारे महिला ने लगाया स्टॉल, युवक ने दिखाई दबंगई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत वंदना प्रसाद एवं दुर्गेश सिंह द्वारा शिकायत की है कि एमपी नगर के दुकान क्रमांक 29 जो पिछले 5 साल से बंद पड़ा हुआ था उसके सामने बुधवार की शाम बाहर में स्टॉल लगाया गया था। जिसमें एक बेड एक टेबल एक चेयर रखा गया था बैनर लगा हुआ था। गुरुवार की सुबह जब वंदना प्रसाद दुकान खोलने गई तो उस समय सामान रोड के उसे पर तोड़फोड़ कर फेंक दिया गया था। अगल-बगल वालों से पूछने पर पता चला कि विक्रम जायसवाल नामक व्यक्ति के द्वारा तोड़फोड़ किया गया है। वंदना ने इस मामले की लिखित शिकायत सिविल लाइन पुलिस से है और सख्त कार्यवाही की मांग की है।

पैसे बीमारी ठीक होने पर देना है
बढ़ती उम्र से तथा बी. पी. शुगर के कारण आई कमजोरी, टाइम ना बनना, शीघ्र पतन, धातु रोग, स्वप्न दोष,शुक्राणुओं की कमी, संतान ना होना, वैवाहिक जीवन में निराशा, लिंग में ढीलापन, पतलापन, टेढ़ापन, बचपन की गलतियां, हस्त मैथुन, डायबिटिज, गठिया वात, एलर्जी, अस्थमा, लीवर कमजोर आदि रोगों को विशेष आयुर्वेद पद्धति से ठीक किया जाता है।
मनचाहा सेक्स संबंध पूरी सफलता से प्राप्त करने हेतु एक बार अवश्य मिले
धनवन्तरी आयुर्वेदिक
नया बस स्टैण्ड के पास ब्लू डायमंड होटल के सामने, कोरबा (छ.ग.)
9922533222 समय 9 से 7 बजे

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 8,500/-
बिलासपुर, रायपुर से होकर
स्पेशल ट्रेन
12 फरवरी से 18 फरवरी 2024 तक
द्वारकाधीश धाम यात्रा
श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकाभेट, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, स्टेच्यु ऑफ यूनिटी/माउंट आबू
ऑफर राशि : स्लीपर 8,500/-, 3 एसी-15,500/-, 2 एसी 19,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D-36 Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza Power House Road
संपर्क करें:-73544-11411